# 📖 रिश्तेदारों से संबंध निभाने पर हदीस

1. रिश्तों को तोड़ने वाला जन्नत में नहीं जाएगा: "जो व्यक्ति रिश्तों को तोड़ता है, वह जन्नत में प्रवेश नहीं करेगा।" (सहीह बुखारी: 5984, सहीह मुस्लिम: 2556)
2. जो रिश्तों को जोड़ता है, अल्लाह उससे रिश्ता जोड़ता है: "अल्लाह ने फरमाया: मैं रहमान हूँ और मैंने रिश्तेदारी (रहम) को अपने नाम से निकाला है। जो इसे जोड़ेगा, मैं उससे अपना रिश्ता जोड़ूंगा और जो इसे तोड़ेगा, मैं उससे अपना रिश्ता तोड़ दूँगा।" (सहीह बुखारी: 5988, सहीह मुस्लिम: 2555)
3. रिश्ते तोड़ने वाले अल्लाह की रहमत से महरूम रहेंगे: "जो शख्स अपने रिश्तों को तोड़ता है, वह अल्लाह की रहमत से वंचित हो जाता है।" (सहीह मुस्लिम: 2556)
4. रिश्तेदारी निभाना ईमान का हिस्सा है: "जो अल्लाह और कियामत के दिन पर ईमान रखता है, उसे चाहिए कि वह अपने रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार करे। " (सहीह बुखारी: 6138, सहीह मुस्लिम: 47 )
5. असली सिला-रहमी (रिश्तेदारी निभाना) क्या है? "सच्चा सिला-रहमी करने वाला व्यवहार के बदले अच्छा व्यवहार करे, बल्कि असली सिला-रहमी करने वाला वह है जो रिश्तेदारों के बुरे व्यवहार के बावजूद अच्छा व्यवहार करे।" (सहीह बुखारी: 5991)

Ref: ChatGpt, subject to verification